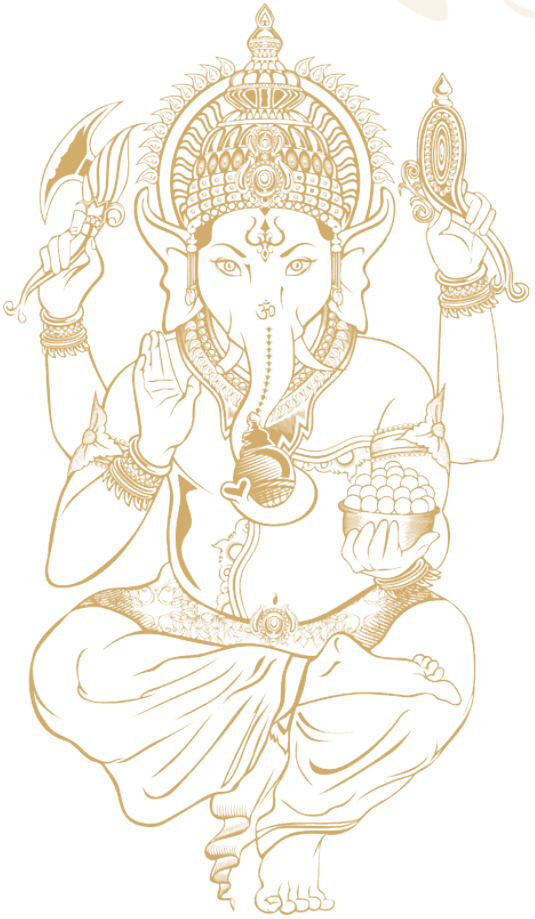

JAGDISH BHAI

08 Dec 2002

01:05 AM

Surat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121507404

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**7-08/12/2002**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**01:05:00 घंटे**
इष्ट	45:04:07 घटी
स्थान	**Surat**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:26:20 घंटे
वेलान्तर	00:08:39 घंटे
साम्पातिक काल	05:31:56 घंटे
सूर्योदय	07:03:21 घंटे
सूर्यास्त	17:56:48 घंटे
दिनमान	10:53:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	21:37:45 वृश्चिक
लग्न के अंश	29:33:27 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ध्रुव
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	29:33:27	336:29:01	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	21:37:45	01:00:57	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			मक	07:02:29	13:18:40	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	सम राशि
मंगल			तुला	10:06:07	00:38:35	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
बुध			धनु	04:31:47	01:31:48	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		कर्क	24:11:35	00:00:39	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	उच्च राशि
शुक्र			तुला	11:04:38	00:32:55	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि	व		मिथु	02:30:56	00:04:49	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	मित्र राशि
राहु	व		वृष	14:46:21	00:00:53	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	14:46:21	00:00:53	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	01:29:26	00:01:40	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:56:32	00:01:32	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	23:28:37	00:02:18	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			वृष	29:39:37	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:37

लग्न-चलित

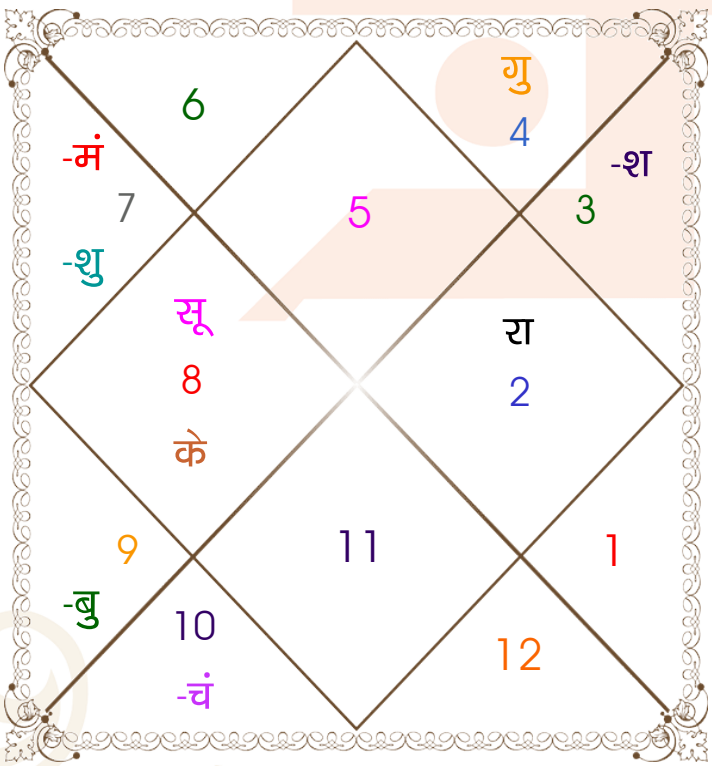

चन्द्र कुंडली

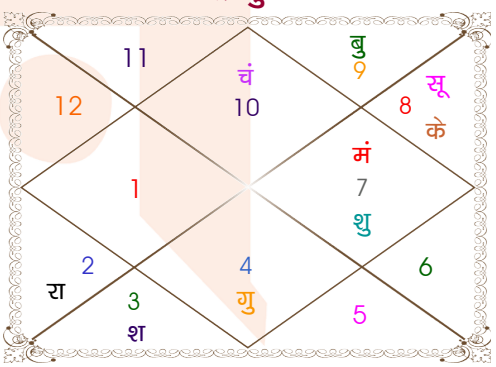

नवमांश कुंडली

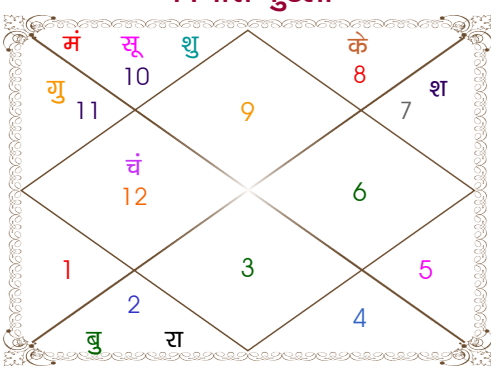

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 3 मास 29 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
08/12/2002		07/04/2004		07/04/2014		07/04/2021		08/04/2039	
07/04/2004		07/04/2014		07/04/2021		08/04/2039		08/04/2055	
	00/00/0000	चंद्र	05/02/2005	मंगल	03/09/2014	राहु	19/12/2023	गुरु	26/05/2041
	00/00/0000	मंगल	06/09/2005	राहु	22/09/2015	गुरु	14/05/2026	शनि	07/12/2043
	00/00/0000	राहु	08/03/2007	गुरु	28/08/2016	शनि	20/03/2029	बुध	14/03/2046
	00/00/0000	गुरु	07/07/2008	शनि	07/10/2017	बुध	07/10/2031	केतु	18/02/2047
	00/00/0000	शनि	05/02/2010	बुध	04/10/2018	केतु	25/10/2032	शुक्र	19/10/2049
	00/00/0000	बुध	08/07/2011	केतु	02/03/2019	शुक्र	25/10/2035	सूर्य	07/08/2050
	08/12/2002	केतु	06/02/2012	शुक्र	01/05/2020	सूर्य	18/09/2036	चंद्र	07/12/2051
केतु	08/04/2003	शुक्र	07/10/2013	सूर्य	06/09/2020	चंद्र	20/03/2038	मंगल	12/11/2052
शुक्र	07/04/2004	सूर्य	07/04/2014	चंद्र	07/04/2021	मंगल	08/04/2039	राहु	08/04/2055

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
08/04/2055		07/04/2074		08/04/2091		07/04/2098		08/04/2118	
07/04/2074		08/04/2091		07/04/2098		08/04/2118		00/00/0000	
शनि	10/04/2058	बुध	03/09/2076	केतु	04/09/2091	शुक्र	08/08/2101	सूर्य	27/07/2118
बुध	19/12/2060	केतु	31/08/2077	शुक्र	03/11/2092	सूर्य	08/08/2102	चंद्र	26/01/2119
केतु	27/01/2062	शुक्र	01/07/2080	सूर्य	11/03/2093	चंद्र	08/04/2104	मंगल	02/06/2119
शुक्र	29/03/2065	सूर्य	08/05/2081	चंद्र	10/10/2093	मंगल	08/06/2105	राहु	26/04/2120
सूर्य	11/03/2066	चंद्र	07/10/2082	मंगल	08/03/2094	राहु	08/06/2108	गुरु	12/02/2121
चंद्र	10/10/2067	मंगल	04/10/2083	राहु	26/03/2095	गुरु	07/02/2111	शनि	25/01/2122
मंगल	18/11/2068	राहु	23/04/2086	गुरु	01/03/2096	शनि	08/04/2114	बुध	02/12/2122
राहु	25/09/2071	गुरु	28/07/2088	शनि	10/04/2097	बुध	06/02/2117	केतु	09/12/2122
गुरु	07/04/2074	शनि	08/04/2091	बुध	07/04/2098	केतु	08/04/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 4 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।